an>

title: Regarding development of Buxar as Tourist centre under Ramayan circuit.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : माननीय अध्यक्ष जी, महर्Âिष विश्वामित्र की तपोभूमि एवं पौराणिक देवभूमि बक्सर जो हमारा संसदीय क्षेत्र है, वहां केन्द्र सरकार ने रामायण परिपथ (रामायण सर्किट) के रूप में जोड़ने का तीर्थाटन, केन्द्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। केन्द्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से डी.पी.आर. बनाने की बात हुई थी, वह अभी तक नहीं बन पाया है। बक्सर का पंचकोशी मेला जहां भगवान राम स्वयं उन स्थलों पर राम, लक्ष्मण और विश्वामित्र के साथ गये थे, उसकी भव्य प्रतिमा स्थापित करने का तथा साथ में पंचकोशी क्षेत्र जहां पंचकोशी मेला होता है, उसको विकसित करने हेतु और साथ में अवशेÂषों का जीर्णोद्धार तथा यातायात हेतु सड़क, पेयजल, विद्युत की समुचित व्यवस्था, वृक्षारोपण, तालाब-घाटों आदि का निर्माण कराना यह जन हित में अत्यावश्यक है। लाखों लोग तीर्थाटन हेतु राज्य एवं राज्य के बाहर से पंचकोशी मेलों में प्रतिवर्ष आते हैं।

मां गंगा तट पर स्थित तपोभूमि बक्सर को राÂष्ट्रीय/अंतर्राÂष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित करने हेतु तीर्थाटन केन्द्र के रूप में विकसित करना अत्यावश्यक है। अतएव आपके माध्यम से मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि जल्दी से जल्दी डी.पी.आर. बनाकर वामन भगवान अवतार स्थल, सप्तपौराणिक शिवकुंड स्थलों तथा अहिल्या उद्धार स्थल आदि क्षेत्रों के जीर्णोद्धार सहित परिक्रमा मार्ग का निर्माण कराया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री शरद त्रिपाठी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र और कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चंदेल को श्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।